

दिल्ली बेल्ली-2

“प्रेषक : तेज ठाकुर उसने मेरी तरफ देखा और मुझसे
पूछा- अगर टीवी देखना हो तो यहाँ आकर देख
लीजिये, वहाँ से साफ़ नहीं दिख रहा होगा। उसे लगा
कि मैं टी वी देख रहा हूँ। पर अंधे को क्या चाहिए, दो
आँखें ! मुझे तो मन मांगी मुराद मिल गई थी, मैं झट
से [...] ...”

Story By: (tejthakurlko)

Posted: Tuesday, March 1st, 2011

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [दिल्ली बेल्ली-2](#)

दिल्ली बेल्ली-2

प्रेषक : तेज ठाकुर

उसने मेरी तरफ देखा और मुझसे पूछा- अगर टीवी देखना हो तो यहाँ आकर देख लीजिये, वहाँ से साफ़ नहीं दिख रहा होगा। उसे लगा कि मैं टी वी देख रहा हूँ।

पर अंधे को क्या चाहिए, दो आँखें !

मुझे तो मन मांगी मुराद मिल गई थी, मैं झट से उसके कमरे में चला गया और कुर्सी पर बैठ गया, टीवी देखने लगा, मैं तिरछी नज़र से उसको भी देख रहा था।

अचानक उसने भी तिरछी नज़र से मुझको देखा, उसी समय मैं भी उसको देख रहा था, हम दोनों की नज़रें मिल गई, उसने अपना मुँह दूसरी तरफ घुमा लिया और मैंने मुस्कुरा कर अपना सर नीचे कर लिया।

उसने मुझसे कहा- बेड पर आ जाओ, ठण्ड लग रही होगी।

मैं बिस्तर पर उसके बगल बैठ गया, अब मुझमें थोड़ी बहुत हिम्मत आ रही थी, मुझे लगाने लगा था कि उसके मन में भी कुछ है, उसने अपना कम्बल मेरी तरफ बढ़ाते हुए कहा- आप भी ओढ़ लीजिये, नहीं तो ठण्ड लग जाएगी।

मैं उसके कम्बल में पैर डाल कर कमर तक ओढ़ कर बैठ गया, अब मुझसे बर्दाश्त नहीं हो रहा था, मैंने अपना पैर उसकी तरफ बढ़ाना शुरू कर दिया...

कम्बल के अन्दर ही मेरा पैर उसके पैरों को ढूँढने लगा, मेरा दिल जोरों से धड़क रहा था

हल्का हल्का पसीना आने लगा। अचानक मेरा पैर उसके पैर से हल्का सा छु गया, मुझे तो जैसे 440 वोल्ट का करंट लगा हो मैंने तुरंत अपना पैर पीछे कर लिया।

मेरा लंड मेरे पजामे में फटने को बेताब हो रहा था, लेकिन मैंने गौर किया कि मेरी इस हरकत से उसको कोई फर्क नहीं पड़ा।

मेरी हिम्मत कुछ बढ़ रही थी, अचानक...

अचानक उसने रिमोट लिया और चैनल बदलने लगी किसी चैनल पर होरर शो आ रहा था, बहुत ही डरावना था, पर आज कितना भी

डरावना शो आये मुझे डर नहीं लग रहा था, मैंने फिर अपना पैर उसकी तरफ बढ़ा दिया, इस बार मेरा पैर उसके पैर को छुआ तो मैंने पैर पीछे नहीं किया। उसने मेरी तरफ देखा पर कुछ नहीं बोली।

मेरी हिम्मत और बढ़ गई थी, मैंने उसके पैरो पर अपने पैर सटा के धीरे धीरे ऊपर की ओर ले जाने लगा, उसने तुरंत अपना पैर हिलाया, मैं डर गया, मैं रुक गया, पर मैंने अपना पैर पीछे नहीं किया, अचानक कोई बहुत ही डरावना सीन आया और उसने डर के मारे मेरा हाथ पकड़ लिया, फिर उसने सॉरी बोल कर मेरा हाथ छोड़ दिया।

मैंने कहा- डर लग रहा है तो चैनल बदल दो।

उसने कहा- बहुत अच्छी कहानी आ रही है.. पर थोड़ी डरावनी है, मैं देखना चाहती हूँ पर डर लग रहा है, मम्मी पापा रहते थे तो उनके साथ देखती थी फिर मम्मी के पास ही सो जाती थी।

मैंने तुरंत कहा- कोई बात नहीं, तुम पूरा शो देखो, मैं हूँ, डरने की कोई बात नहीं।



उसने मुस्कुरा कर धन्यवाद कहा और शो देखने लगी। मैंने अपना पैर उसके पैर पर रगड़ना शुरू कर दिया। शो में कुछ अश्लील दृश्य भी थे, वो उसको ध्यान से देख रही थी, मैंने अपना पैर उसके घुटने तक ला दिया और सहलाने लगा।

वो कुछ नहीं बोल रही थी, उसकी साँसें तेज हो रही थी, मेरी हिम्मत बहुत बढ़ गई थी, मैंने अपना हाथ कम्बल के अन्दर से ही

उसकी जांघों पर रख दिया। वो कसमसाई पर बोली कुछ नहीं।

मैंने धीरे धीरे उसके जांघों को सहलाना शुरू कर दिया, उसने सिर्फ स्कर्ट ही पहन रखी थी।

हे भगवान, क्या बताऊँ ! कितनी चिकनी जांघें थी। रुई जैसी नर्म, मैं तो पागल हुआ जा रहा था। अचनक सीरियल खत्म हो गया, उसकी साँसें तेज चल रही थी।

मुझे उसकी आँखों में लाल डोरे साफ़ दिख रहे थे मैं समझ गया कि यह पूरा नशे में है, वो उठी, टीवी बंद किया और उठ कर बाथरूम में चली गई। मैं अपना लंड मसोस कर रह गया, मुझे लगा अब ज़िन्दगी में कभी इसको चोद नहीं पाऊँगा।

मैंने सोचा क्यों न इसको बाथरूम में नंगा देखा जाये, मैंने की-होल में आँख लगा दी, अन्दर का नज़ारा देखते ही मेरे होश उड़ गए, वो नीचे से पूरी नंगी थी, उसने अपनी उंगली से अपनी चूत सहला रही थी और जोर जोर से सिसकारियाँ ले रही थी।

मैं पागल हुआ जा रहा था, फिर उसने अपने कपड़े पहने और बाहर आने लगी।

मैं तुरंत जाकर कुर्सी पर बैठ गया, वो बाहर आई तो मैंने उससे कहा- ठीक है, अब तुम सो जाओ, मैं अपने कमरे में चलता हूँ, अगर डर लगे तो बुला लेना।

उसने कहा- मुझे डर लगेगा तो मैं आप को बुलाने कैसे आऊँगी, बाहर निकलने में भी तो

डर लगेगा, प्लीज आज आप यहीं सो जाइये...

मैंने कहा- वो तो है... ठीक है, मैं यहीं सो जाता हूँ...

फिर मैं उसके ही बेड पर थोड़ी दूरी बना कर लेट गया... और मैंने कम्बल ओढ़ लिया।
उसने लाइट बंद की और आकर बेड पर लेट गई..

मुझे नींद कहाँ आने वाली थी.. मैं तो उसको चोदने की सोच रहा था...

मैंने सोच लिया था कि आज इसको चोद कर ही रहूँगा...फिर यह चाहे गुस्सा ही क्यों न हो जाये।

मैंने अपना हाथ उसकी तरफ बढ़ा दिया उसके घुटनों तक मेरा हाथ पहुँच गया था, मैं उसके घुटने सहलाने लगा, एकदम चिकनी टांगें नर्म नर्म !मैंने अपने हाथ उसकी जांघों तक बढ़ा दिया और जांघों को सहलाने लगा।

वो कसमसा रही थी, पर मुझे कोई फर्क नहीं पड़ रहा था, मैंने अपनी उंगलियाँ उसकी नर्म जांघों पर फिरानी चालू कर दी, उसने अपने दोनों पैरों को चिपका लिया और टांगों को एकदम सख्त कर लिया।

मैं जान गया कि वो सो नहीं रही है, उसे भी मजा आ रहा है।

मैंने अपना हाथ उसकी स्कर्ट के अन्दर घुसाना शुरू किया, जैसे ही मैंने उसकी पैंटी पर हाथ रखा, मुझे लगा मेरा हाथ जल जायेगा।

उसने झट से मेरा हाथ हटा दिया, मैं समझ गया अब वो मेरा विरोध नहीं करेगी, मैंने तुरंत अपने होंठ उसके नर्म मुलायम होंठों पर रख दिए।



वो मुझे धकेलने लगी पर मैंने अपने होंठ उसके होंठों पर चिपका रखे थे, मैंने उसके होंठों को चूसना चालू कर दिया, वो मुझे हटाने की नाकाम कोशिश कर रही थी धीरे धीरे उसने मेरा विरोध करना छोड़ दिया और मेरे होंठ चूसने लगी।

मैंने एक हाथ से उसके टीशर्ट को ऊपर करने की कोशिश की तो उसने मेरा हाथ पकड़ लिया...रहने दो प्ली...ज !!!!म...त उ...ता...रो

वो धीरे धीरे कहने लगी..

पर मैं उसकी एक नहीं सुन रहा था, मैंने तुरंत उसकी टीशर्ट उसके शरीर से हटा दी...

फिर मैं उसके गोल गोल सख्त हुए, चिकने स्तनों को ब्रा के ऊपर से ही दबाने लगा, वो सिस्कारियाँ लेने लगी...रह...ने... दो... प्ली...ज आ...ह... उफ़... अम...

मैं उसकी सिसकारियों को सुन कर पागल हुआ जा रहा था...

मैंने उसकी ब्रा उतार दी... अब मैं उसके स्तनों के अग्र भाग के चूचकों को चूसने लगा, वो मस्त हो रही थी।

उसने मेरा सर पकड़ के अपने छातियों पर जोर से दबा दिया...और मेरी टीशर्ट निकालने लगी।

मैंने तुरंत अपना पजामा और टीशर्ट निकाल दिया...

अब मैं पूरा नंगा था और वो ऊपर से नंगी थी।

मैंने कम्बल हटा दिया और नाईट बल्ब की रोशनी में क्या क्रयामत लग रही थी !

मैंने अपना हाथ नीचे की तरफ बढ़ाना शुरू कर दिया मेरा हाथ उसकी स्कर्ट पर पहुँच गया, मैंने उसके स्कर्ट को खोल कर अलग कर दिया, उसने शर्म से अपनी आँखें बंद कर रखी थी।

मैंने उसको पलट दिया अब वो पेट के बल लेती थी और मैं उसके बदन को निहार रहा था।

मैंने उसकी गर्दन, कान, कंधे, पीठ-कमर पर ताबड़तोड़ चुम्बों की बारिश कर दी, मैं उसके बदन को चाट रहा था...

अब मेरी जबान उसकी पीठ, कमर, और गर्दन पर फिसल रही थी...

उसने चादर को अपनी मुट्ठी में भींच रखा था...

मैंने उसके चूतड़ों की तरफ देखा, क्या लग रही थे गोल-गोल उभार लिए हुए...

मैंने उसकी पैंटी नीचे सरकानी शुरू कर दी...

उसने मेरा हाथ पकड़ लिया मैंने उसका हाथ हटा के पैंटी उसके शरीर से अलग कर दिया।

अब वो मेरे सामने पूरी नंगी लेटी थी।

मैंने उठ कर लाइट जला दी और बेड पर आ गया...

वो शर्मा रही थी, उसने मुझसे कहा- लाइट बंद कर दो प्लीज, मुझे बुरा लग रहा है...

मैंने कहा- इसमें बुरा क्या है ?

उसने कुछ नहीं कहा...

फिर मैंने उसके चूतड़ों के उभारों को चूमने लगा वो अपने कूल्हे बार बार उपर उछाल रही

थी...

मैंने उसकी गांड की फांकों को फैला कर उसके छेद को देखा.. क्या लाल छेद था ! मैंने झट से उसपर अपनी जीभ रख दी, वो कसमसाने लगी।

मैं उसके छेद पर अपनी जीभ फिरा रहा था, वो आ...ह ..उफ़... अम... हा... आ...ह करके अपने चूतड़ हिला रही थी।

मैंने 5 मिनट उसकी गांड का रसास्वादन किया, फिर उसको पलट दिया उसने अपनी आँखें बंद कर रखी थी। मैंने उसके होंठ चूमने शुरू कर दिए और वो भी मेरा पूरा साथ दे रही थी...मैंने अपने एक हाथ से उसके स्तनों का मर्दन शुरू कर दिया था... और एक हाथ से उसके चूत को सहला रहा था।

फिर मैंने अपना सर उसके पैरों की तरफ कर लिया और उसको अपने ऊपर कर लिया अब हम 69 की अवस्था में थे, मैंने उसकी टांगों को थोड़ा सा फैला कर उसकी जलती हुई चूत पर अपनी जीभ रख दी...

वो सीत्कार उठी...

मैं अपनी जीभ उसकी चूत की फांकों के बीच फिराने लगा, उसकी चूत से रस की धारा बह निकली। अब मैं उसकी चूत को खूब जोर-जोर से चाट रहा था, वो अपना चूत मेरे मुख पर रख कर दबा कर हिलाने लगती थी...

अब मैंने अपना लंड जो उसके मुँह के पास था उसको पकड़ कर उसके मुँह पर लगा दिया...

उसने मेरा लंड अपने मुँह में ले लिया... कसम से दोस्तों क्या चूसा था उसने मेरा लंड...

मुझे तो लगा मेरा पानी ही निकाल जाएगा पर... उसके पहले ही मैंने अपना लण्ड उसके



मुँह से निकाल लिया ।

अब वो सीधी हुई और मेरे ऊपर लेट गई मेरा लंड उसके चूत से टकराने लगा...

वो अपने गांड को हिला रही थी और चूत को मेरे लंड पर मल रही थी...

मैंने उसको बिस्तर पर लिटाया और खुद उसके ऊपर आ गया, मैंने अपना लंड उसकी चूत पर रख दिया उसकी चूत पानी छोड़ रही थी...

मैंने अपना लंड सही निशाने पर रख के अपने होंठ उसने होंठो पर चिपका दिया ताकि वो चिल्लाये ना...

और उसकी कमर पकड़ के एक झटका मारा तो मेरा आधा लंड उसकी चूत में समा गया...

और वो बिन पानी की मछली की तरह तड़पने लगी ऐंठने लगी थी, उसके मुँह से गूं... गूं... की घुटी घुटी आवाज़ आ रही थी, मैंने एक जोरदार धक्का और लगाया और मेरा पूरा लंड उसकी चूत में रास्ता बनाता घुस गया ।

उसने अपने होंठ छुड़ाते हुए कहा- छोड़ो मुझे ! मैं मर जाऊँ...गी मुझे नहीं करना कुछ भी ! प्ली...ज मुझे छोड़ दो...

मैंने उससे कहा- अगर अब दर्द हुआ तो मैं कसम से कुछ नहीं करूँगा ।

मैंने उसके स्तनों को चूसना चालू कर दिया और लंड को उसकी चूत में ही रहने दिया... मैं उसके स्तनों को जोर जोर से चूस रहा था साथ में उसके, गले, सीने, कान, गाल, पर चुम्बन भी दे रहा था...

वो मस्त होने लगी और उसका दर्द भी कम होने लगा... अब उसने मुझे जोर से भींच रखा



था...

मैंने अपना लंड थोडा सा उसकी चूत से निकाला और फिर धीरे से अन्दर डाला, मैं यही बार बार करने लगा उसने अपनी गांड उचकाना शुरू कर दिया तो मैं जान गया कि अब यह चुदाई के लिए तैयार है...

मैंने झटके लगाने शुरू कर दिए...

उसकी साँसों की आवाज पूरे कमरे में गूँज रही थी...वो जोर जोर से सिसकारियाँ भर रही थी।

मैंने ताबड़तोड़ झटके लगाने शुरू कर दिए और लगभग 20 मिनट बाद वो अकड़ने लगी, उसकी चूत में संकुचन होने लगा। मैं समझ गया कि वो जाने वाली है। फिर वो झटके लेने लगी और मुझे जोर से भींच लिया और वो झड़ गई, मैंने भी रफ्तार बढ़ा दी और थोड़ी ही देर में मैं भी झड़ गया...

फिर हम दोनों एक दूसरे से चिपके कुछ देर पस्त पड़े रहे, उस रात मैंने उसको 2 बार और चोदा।



Other stories you may be interested in

मेरा गुप्त जीवन- 157

भाभी की अपनी चुदाई की कहानी रश्मि मुझ को सचमुच हैरानी से देख रही थी और उसकी आँखों में यह सवाल साफ़ झलक रहा था कि सोमू राजा कैसा लड़का है जो इतनी देर की चुदाई में एक बार भी [...]

[Full Story >>>](#)

खेत में लंड की होली भौजाई की गांड में

दोस्तो, मेरा नाम अभिषेक यादव है मैं गाँव का रहने वाला हूँ। बीएससी करने के लिये मैं गाँव छोड़कर गाज़ीपुर शहर चला आया। मैं पढ़ाई की शैली और शरीर की बनावट, इन दोनों में निपुण हूँ। मैं पिछले 5-6 सालों [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोसन भाभी चूत पसार कर चुदी -2

हैलो चूत के पुजारियो और लण्ड की दीवानियो.. कैसे हो आप सब.. आशा करता हूँ.. सब चूत के मजे.. लंड के रस पी रहे होंगे। बहुत-बहुत धन्यवाद आप सबका.. जो मेरी पिछली कहानियां आप सबने बहुत पसंद की। मेरी पिछली [...]

[Full Story >>>](#)

मस्त मम्मों वाली मकान मालकिन की चूत चुदाई

हैलो फ्रेंड्स.. मेरा नाम प्रेम है और मैं गुजरात के जूनागढ़ सिटी में रहने वाला हूँ.. और मैं अन्तर्वासना का एक नियमित पाठक हूँ। मेरी कहानी सत्य घटना है। यह घटना कुछ 4 महीने पहले की है। मेरी हाइट 6 [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोसन भाभी ने चूत चुदाई का खेल खेला

दोस्तो.. उम्मीद है कि आप सब लोग ठीक होंगे! मैं जतिन कुंवर.. एक बार फिर से आप अपनी कहानी लेकर आप सबके पास आया हूँ। दोस्तो, आप सबने मेरी पहली कहानी 'कामसूत्र में दिलचस्पी' पढ़ी और मुझे काफ़ी मेल्स भी [...]

[Full Story >>>](#)



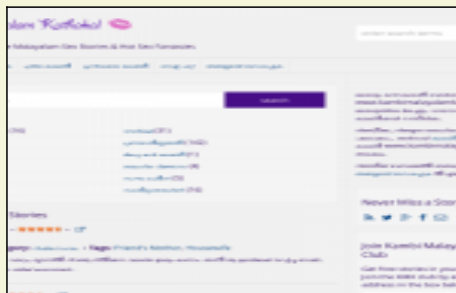
Other sites in IPE

[IndianPornVideos.com](#)



Indian porn videos is India's biggest porn video tube site. Watch and download free streaming Indian porn videos here.

[Kambi Malayalam Kathakal](#)



Large Collection Of Free Malayalam Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

[Antarvasna Gay Videos](#)



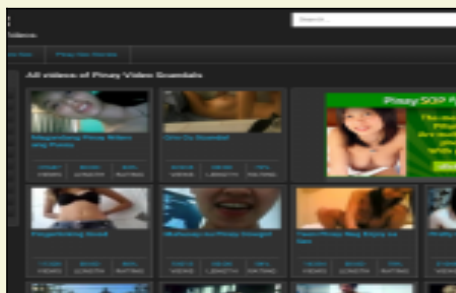
Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun. Here you will find guys sucking dicks and fucking asses. Meowing with pain mixed with pleasures which will make you jerk you own dick. Their cums will make you cum.

[Indian Porn Live](#)



Go and have a live video chat with the hottest Indian girls.

[Pinay Video Scandals](#)



Manood ng mga video at scandals ng mga artista, dalaga at mga binata sa Pilipinas.

[FSI Blog](#)



Every day FSIBlog.com brings you the hottest freshly leaked MMS videos from India.